0752CH01

# चिड़िया और चुरुंगुन

छोड़ घोंसला बाहर आया,
देखी डालें, देखे पात,
और सुनी जो पत्ते हिलमिल
करते हैं आपस में बात;–
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'

डाली से डाली पर पहुँचा,
देखी कलियाँ, देखे फूल,
ऊपर उठकर फुनगी जानी,
नीचे झुककर जाना मूल;–
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'
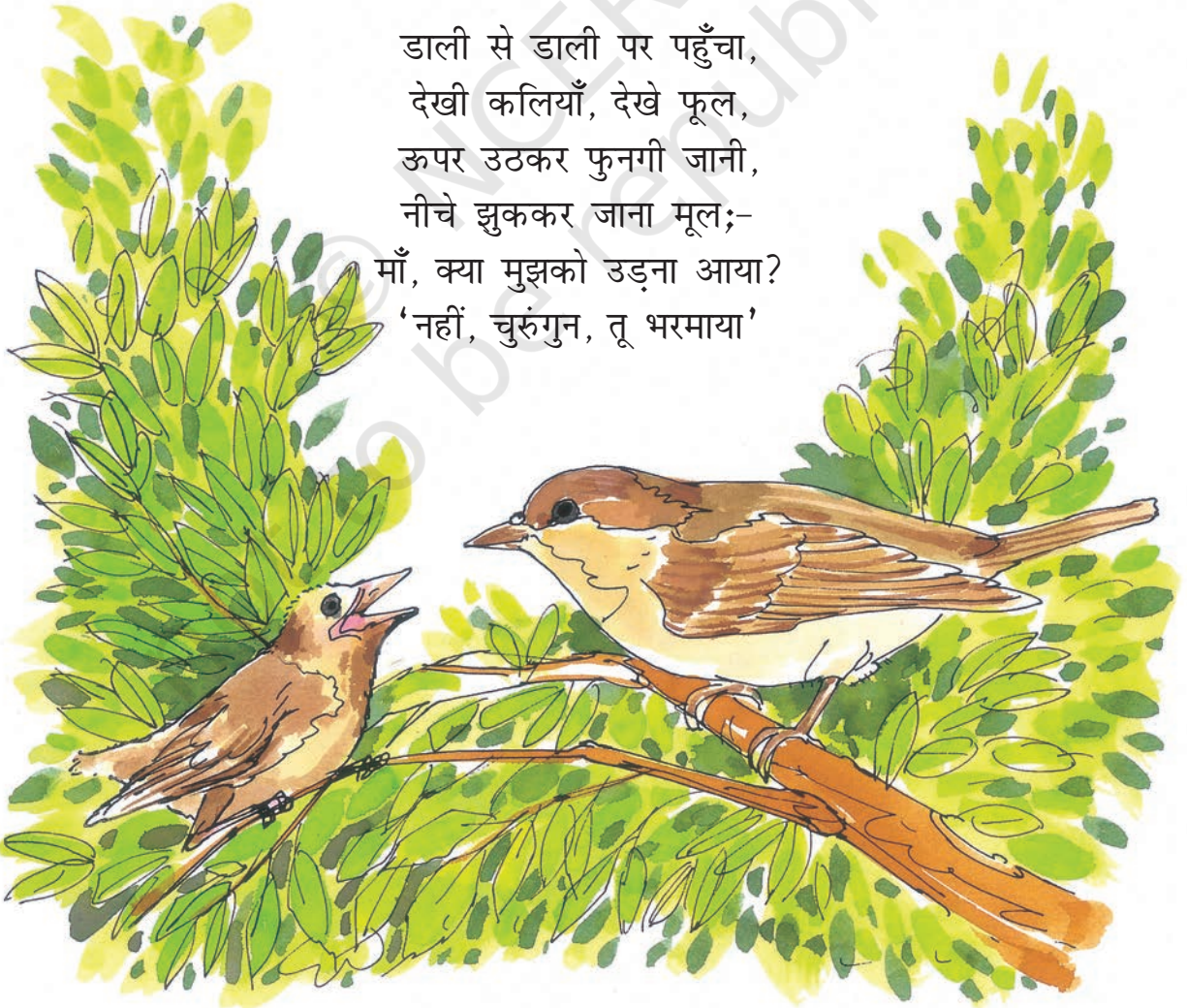
कच्चे-पक्के फल पहचाने,
खाए और गिराए काट,
खाने-गाने के सब साथी
देख रहे हैं मेरी बाट;-
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'

उस तरु से इस तरु पर आता,
जाता हूँ धरती की ओर,
दाना कोई कहीं पड़ा हो
चुन लाता हूँ ठोक-ठठोर;
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'

मैं नीले अज्ञात गगन की
सुनता हूँ अनिवार पुकार
कोई अंदर से कहता है
उड़ जा, उड़ता जा पर मार;-
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?

'आज सुफल हैं तेरे डैने,
आज सुफल है तेरी काया'

*–हरिवंशराय बच्चन*

## अभ्यास

### शब्दार्थ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पात | – | पत्ता | फुनगी | – | वृक्ष या शाखा का सिरा |
| भरमाया | – | भ्रम में पड़ गया | बाट | – | राह, रास्ता |
| तरु | – | वृक्ष, पेड़ | अनिवार | – | लगातार |
| अज्ञात | – | अनजान, जिसके बारे में कुछ पता न हो | | | |



### 1. नमूने के अनुसार लिखो

**नमूना**

छोड़ घोंसला बाहर आया,
देखी डालें, देखे पात।

*चुरुंगुन घोंसला छोड़कर बाहर आया। उसने डालें और पत्ते देखे।*

**क** डाली से डाली पर पहुँचा,
देखी कलियाँ देखे फूल।

**ख** खाने-गाने के सब साथी,
देख रहे हैं मेरी बाट।

**ग** कच्चे-पक्के फल पहचाने,
खाए और गिराए काट।

**घ** उस तरु से इस तरु पर आता,
जाता हूँ धरती की ओर।

### 2. कविता से

**क** चुरुंगुन अपने 'उड़ने' के बारे में बार-बार अपनी माँ से क्यों पूछता है?

**ख** चुरुंगुन को कौन-कौन सी चीज़ें अच्छी लगती हैं?

**ग** चुरुंगुन अभी-अभी अपने घोंसले से निकला है। फिर भी वह पूरी दुनिया के बारे में जानना चाहता है। तुम किन चीज़ों के बारे में जानना चाहते हो?

## 3. क्रम से लगाओ

नीचे कुछ चीज़ों के नाम लिखे हैं। चुरुंगुन ने पहले किसे देखा? क्रम से लगाओ।

**फूल, पात, फुनगी, डाल, फल, कलियाँ,**
**धरती, साथी, तरु, दाना, गगन**

## 4. और चुरुंगुन उड़ गया

उड़ने के बाद चुरुंगुन कहाँ-कहाँ गया होगा? उसने क्या-क्या देखा होगा? अपने शब्दों में लिखो।

## 5. वचन बदलो

| | एकवचन | | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| नमूना | घोंसला | – | घोंसले, घोंसलो |
| | डाल | – | |
| | बात | – | |
| | कली | – | |
| | फूल | – | |
| | फल | – | |
| | साथी | – | |
| | तरु | – | |
| | दाना | – | |
| | डैना | – | |



## 6. बार-बार बोलो और प्रत्येक शब्द से वाक्य बनाओ

डाल – ढाल
बात – भात
फूल – मूल
दाना – धान
फल – पल